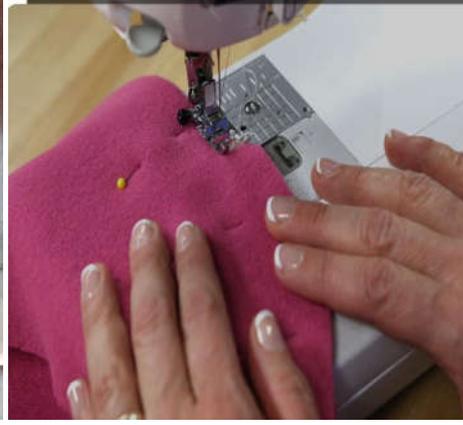


व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि कटिंग और टेलरिंग
द्वारा

सावनी-स्वयं सहायता समूह



एसएचजी/सीआईजीनाम	::	सावनी
VFDSनाम	::	जियाबुंग
श्रेणी	::	पूह
विभाजन	::	किन्नौर

तैयार:



हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना
(जाईका सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	SHG/CIG का विवरण	3
2	लाभार्थियों का विवरण	4
3	गांव का भौगोलिक विवरण	5
4	कार्यकारी सारांश	5
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5
6	उत्पादन योजना का विवरण	5-6
7	विवरण बिक्री और विपणन	6
8	संकट विश्लेषण	6
9	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	6
10	अर्थशास्त्र का विवरण	7
11	आय और व्यय का विश्लेषण	8
12	निधि की आवश्यकता	8
13	निधि के स्रोत	8
14	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	8-9
15	बैंक ऋण चुकौती	9
16	निगरानी विधि	9
17	टिप्पणी	9
18	समूह फोटो	9-10

2.एसएचजी/सीआईजी का विवरण

2.1	एसएचजी / सीआईजी नाम	::	सावनी
2.2	वीएफडीएस नाम	::	गाइबुंग
3	श्रेणी	::	पूह
3.4	विभाजन	::	किन्नौर
3.5	गाँव	::	गाइबुंग
3.6	अवरोध पैदा करना	::	कानम
3.7	ज़िला	::	किन्नौर
3.8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	15- महिलाएं
3.9	गठन की तिथि	::	25.02.2023
3.10	बैंक खाता सं	::	26410101441
3.11	बैंक विवरण	::	एसबीआई गाइबुंग
3.12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	
3.13	कुल बचत	::	
3.14	कुल अंतराकरण	::	
3.15	नकद क्रेडिट सीमा	::	
3.16	पुनर्भुगतान स्थिति	::	

3.लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	नाम(श्री/श्रीमती)	पिता/पति का नाम (श्री)	आयु	वर्ग	जारी संख्या	पद का नाम	आय स्रोत
1	श्रीमती लोबजांग डोल्मा	श्री राम सैन	46	अनुसूचित जाति	7650845768	(प्रधान)	कृषि
2	श्रीमतीमोहन देवी	श्री महेंद्र सिंह	42	अनुसूचित जनजाति	8580854323	सचिव	कृषि
3	श्रीमतीगुलाब मोनी	श्री.दिनेश कुमार	40	अनुसूचित जनजाति	9454732631	सदस्य	कृषि
4	श्रीमतीसुषमा लता	श्री नरेन्द्र कुमार	23	अनुसूचित जाति	9459302436	सदस्य	कृषि
5	श्रीमतीइंदर कुमारी	श्री गंगा सेवक	29	अनुसूचित जनजाति	9459228874	सदस्य	कृषि
6	श्रीमती प्रेम लता	श्री सोनम फुंचुक	38	अनुसूचित जनजाति		सदस्य	कृषि
7	श्रीमती निशा	श्री विद्या बहादुर	22	अनुसूचित जाति	8988101601	सदस्य	कृषि
8	श्रीमती दान मोनी	श्री राजेंद्र	28	अनुसूचित जनजाति	9459991850	सदस्य	कृषि
9	श्रीमती सरिता देवी	श्री पवन कुमार	27	अनुसूचित जाति	7651066070	सदस्य	कृषि
10	श्रीमतीसेल मोनी	श्री.इंदर सिंह	41	अनुसूचित जनजाति	8988165682	सदस्य	कृषि
11	श्रीमती गीता देवी	श्री अखिल चंद्र	24	अनुसूचित जनजाति	9418172453	सदस्य	कृषि
12	श्रीमती सावित्री कुमारी	श्री नारायण सिंह	40	अनुसूचित जनजाति	8580810933	सदस्य	कृषि
13	श्रीमती कमला देवी	श्री.सुनील कुमार	42	अनुसूचित जनजाति	9459228876	सदस्य	कृषि
14	श्रीमती मीना देवी	श्री विनीत कुमार	35	अनुसूचित जाति	9015210186	सदस्य	कृषि
15	श्रीमती मंजू नेगी	श्री.पुणय सागर	36	अनुसूचित जनजाति	8580792438	सदस्य	कृषि

1. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	65 कि.मी.
3.2	मुख्य सड़क से दूरी	::	0.5किमीसेNH5
3.3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	पूह-24 किमी, रिकांगपिओ-65 किमी और रामपुर166 किमी
3.4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	पूह-24 किमी, रिकांगपिओ-65 किमी और रामपुर-166किमी
3.5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	रिकांगपिओ-24किमी और रामपुर-166किमी
3.6	उन स्थानों/स्थानों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	पूह-24 किमी, रिकांगपिओ-65 किमी और रामपुर-166किमी

2. कार्यकारी सारांश

वीएफडीएस क्षेत्र में कटिंग और टेलरिंग आम बात है और स्थानीय लोगों को महिलाओं और पुरुषों के कपड़ों की बेहतर सिलाई के लिए लगभग 60-166 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। कटिंग और टेलरिंग आय सृजन गतिविधि है और इसे सावनी स्वयं सहायता समूह द्वारा चुना गया है। इस आईजीए को शुरू में इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा शुरू में विभिन्न प्रकार के सूट सिले जाएंगे। यह गतिविधि इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। समूह के सदस्य शुरुआत में कम मशीनों के साथ काम करेंगे और जैसे-जैसे समूह के सदस्यों का कौशल/दक्षता बेहतर होगी, समूह और मशीनें खरीदेगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष की जाएगी। सूट उपभोक्ता के ऑर्डर के अनुसार सिले जाएंगे और कपड़ा उपभोक्ता द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा या ऑर्डर पर निर्भर करेगा।

3. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	सिले हुए सूट और पारंपरिक पोशाकें
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि कुछ स्वयं सहायता समूह महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	सहमतिका एसएचजी/ सीआईजी / झुंड सदस्यों	::	हाँ

4. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	समय लिया	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
6.2	शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं.
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
6.4	संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
6.5	प्रतिदिन अपेक्षित सिले हुए सूट	::	5सूटशुरूआत

1. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाजार स्थान/स्थान	::	पूह-24 किमी, रिकांगपिओ-65 किमी और रामपुर-166किमी
7.2	सिलाई की मांग काम	::	पूरे वर्ष भर तथा त्यौहारों और विवाह के अवसरों पर इसकी मांग अधिक रहती है।
7.3	प्रक्रियापहचान ऑफ ऑफ बाजार	::	समूह सदस्यों संपर्क आस-पास इच्छा ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं।
7.4	विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर पर/समूह स्तर पर) निकटवर्ती ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से।

2. संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- मांग संचालित
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

3. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

6.4	संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
6.5	प्रतिदिन अपेक्षित सिले हुए सूट	::	5सूटशुरूआत

4. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाजार स्थान/स्थान	::	पूह-24 किमी, रिकांगपिओ-65 किमी और रामपुर-166किमी
7.2	सिलाई की मांग काम	::	पूरे वर्ष भर तथा त्योहारों और विवाह के अवसरों पर इसकी मांग अधिक रहती है।
7.3	प्रक्रियापहचान बाजार	ऑफ ऑफ	समूह सदस्यों संपर्क आस-पास इच्छा ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं।
7.4	विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर पर/समूह स्तर पर) निकटवर्ती ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से।

5. संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- मांग संचालित
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

6. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

7. अर्थशास्त्र का विवरण:

एक।	पूंजीटैल्काँस्ट			
क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि(रु.)
1	मोटर और स्टैंड के साथ सिलाई मशीन(कोलंबिया कंपनी)(उमेरला)	12	11000	1,32,000
2	ज़िग ज़ैग मशीन	2	6500	13000
3	दर्जी कैंची	12	1000	12000
4	टेलरिंग रूलर सेट	12	600	7200
5	सिलाई दर्जी नल	12	100	1200
6	इरोन प्रेस	2	1000	2000
7	अलमारी	1	रास	6000
8	कांटा	3सेट	400	1200
9	मल सेट	12	एल/एस	2000
कुल पूंजी लागत (ए) =				1,76,600

बी।	आवर्ती लागत				
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल मात्रा(रु.)
1	सिलाई धागे	रील्स/सूट/महीना	250	10	2500
2	किन्नोरी टोपी के लिए सामग्री	नहीं	50	200	10000
3	कमर कोट	नहीं	30	1200	36000
4	किन्नोरी चोली	नहीं	30	2700	81000
5	किन्नोरी कोट	नहीं	7	3500	24500
6	किराया	महीना			2000
7	अन्य (स्टेशनरी, बिजली बिल, परिवहन, मशीन मरम्मत)	महीना			1500
कुल आवर्ती लागत(बी)					157,500

सी।	उत्पादन लागत(मासिक)	
क्रमांक	विवरण	राशि(रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	157,500
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यहास	1575
	कुल	1,59075

डी।	सिले सूट की कीमत (प्रति सूट)				
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि(₹.)	
1	किन्नोरी टोपी	1	1	350-400	
2	कमर कोट	1	1	1500--2000	
3	किन्नोरी चोली	1	1	4000	
4	किन्नोरी कोट	1	1	5000	

8. आय-व्यय का विश्लेषण (मासिक):

क्रमांक	विवरण	राशि(₹.)
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यहास	1575
2	कुल आवर्ती लागत	157500
3	किन्नोरी कैप=350नग@400	140000
4	कमरकोट=30नग@1500	45000
5	किन्नोरी चोली = 10 नग @ 4000	40000
6	किन्नोरी कोट=7@5000	35000
7	आइटम संख्या 3 से 6 तक कुल आय सृजन	260000
	मैआने वाली पीढ़ी (आइटम 3 से 6 तक)	260000
	शुद्ध लाभ(260000-157500)	102,500
	शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ समान रूप से वितरित किया जाएगा सदस्यों के बीच मासिक/वार्षिकआधार. लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

9. निधि की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि(₹.)	परियोजना योगदान	स्वयं सहायता समूह योगदान
1	कुल पूंजीलागत	1,76,600	1,32,450	44,150
2	कुल आवर्ती लागत	157500	0	157500
3	प्रशिक्षण	75000	75000	0
	कुल	4,09,100	2,07,450	2,01,650

टिप्पणी-

- पूंजी लागत-परियोजना के अंतर्गत पूंजीगत लागत का 75% कवर किया जाएगा
- रिक्रिंगलागत-टी० एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाएगा।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन-परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

10. स्रोत:

परियोजना समर्थन;	<ul style="list-style-type: none">• पूंजी का 75% लागत का उपयोग मशीनों की खरीद के लिए किया जाएगा।• स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में एक लाख रुपये तक की धनराशि जमा की जाएगी।• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	खरीद कामशीनों द्वारा किया जाएगा संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू सभी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद।
एसएचजी योगदान	<ul style="list-style-type: none">• पूंजीगत लागत का 50% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा।• आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

13. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी। निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

14. ऋण चुकौती अनुसूची-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है, तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, स्वयं सहायता समूह के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को पूर्ण रूप से किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।

15. निगरानी विधि –

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी ताकि इकाई का परिचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा परियोजना के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

16. टिप्पणी

17.समूह सदस्यों की तस्वीरें-



सेल मोनी



निशा



गीता देवी



मोहन देवी



मीना कुमारी



सरिता



धन मोनी



इंदर कुमारी



प्रेम लत



गुलाब मोनी



सवित्री कुमारी



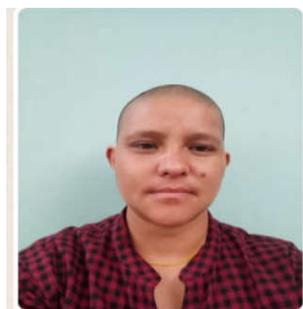
सुषमा लता



कमला देवी



मंजू कुमारी



लोबजंग डोलमा

समूह का सहमती पत्र

आज दिनांक 14-05-2023 सवानी स्वयं सहायता समूह झाड़ुंग में बैठक हुई यह बैठक प्रधान कुमारी लोबजंग डोलमा की अध्यक्षता में हुई। आज बैठक में सभी सदस्यों ने यह चर्चा किया और यह निर्णय लिया की वे वन जायका विभाग की तरफ से जो धन राशि मिलेगी उसका उपयोग सिलाई सिखाने के लिए किया जाएगा। जिसके लिए सभी सदस्यों ने सहमती प्रकट की है। इस बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया।

प्रधान
सवानी स्वयं सहायता समूह
झाड़ुंग, गिरीा कान्ठार (हि०प्र०)
समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

सचिव Mohandev
सवानी स्वयं सहायता समूह
झाड़ुंग, गिरीा कान्ठार (हि०प्र०)
समूह के सचिव के हस्ताक्षर

Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and Livelihoods

Memorandum of Understanding

Between

The KINNAUR.....Village Forest Development Society/ BMC Sub Committee

And

The Forest Department (represented by DFO KINNAUR for Participatory Forest Management.

Whereas

The KINNAUR.....Village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee (hereinafter called "Society") has been constituted as per procedure described in the HP PFM Regulations notified by Govt. of HP vide No. FFE-C (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Pam III dated 19.11.2018, by the Villagers of KINNAUR village Forest Development Society/ BMC Sub-Committee in district KINNAUR and Forest Division KINNAUR, Himachal Pradesh and has an elected Executive Committee (hereinafter called "EC"),

as part of the Japan International cooperation Agency (JICA) supported "Project For Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management and livelihoods" (hereinafter called -Project") the Micro plan (Forest Ecosystems Management Plan & Community Development & Livelihood Improvement Plan) for Forest Management and Community Development (hereinafter called "Plan") for Forest protection, rehabilitation and management of the specified forest areas has been jointly prepared by the Society and the Forest Division

the Plan contains details of program for conservation, management and development of forest areas, Biodiversity conservation, Livelihood improvement works and also the description of equitable distribution of usufructs obtained from allocated forest areas and public resources of the ward/village;

the Plan has been approved by the Officer in Charge of the Forest Division (here- in after called "Forest Officer") on behalf of Government of Himachal Pradesh;

Now here with

The KINNAUR..... Forest Division and the Society have mutually agreed on this MoU, and consequently. This MoU is executed with the following articles;

1. **Purpose of the Memorandum of Understanding**

This Memorandum of Understanding (hereinafter called -Man details the responsibilities of the Society regarding management and protection of forest areas) and village(s) resource development, in the manner specified in the Plan and for equitable distribution of benefits amongst its members. It further details payments and support to be provided by the project and the associated conditions.

2 Responsibilities of the Society

- 2.1 With regard to its Constitution, working, powers, duties and benefits, the Society agrees to act in accordance with the HP Government Notification No. FFE-B-F (9) 1/2001 dated 23.8.2001 and vide No.FFE-B-F (5) 5/2016- Part- III dated 19.11.2018, and other relevant Government orders and instructions.
- 2.2 The Society agrees to provide all necessary assistance to the Forest Officer in selection of forest area(s) to be allotted to it for forest management and development so that there is no dispute regarding areas of common use of nearby villages.
- 2.3. The Society agrees to prepare and submit general house approved, quarterly physical & financial plans with budget requirements to FTU concerned for releasing funds after Plan's approval from PMU.
- 2.4. The Society agrees to identify Community Development Activities (CDAs) in conformity with the CDA guidelines, decide on these through a consultative process and implement them according to the relevant standards as applicable.
- 2.5. The Society agrees to carry out works laid out in the Plan for the forest area (such as planting, fencing, maintenance and protection) and in doing so, follow the principles of management of forest and wildlife specified therein, also taking into account the guidelines of the Government, prevalent legal provisions and technical principles. The Society will ensure that no existing acts/rules of forest/wildlife management are being violated.
- 2.6. The Society agrees to contribute membership fee through its members/user groups. The amount with interest will be available to VFDS/BMC (Sub-Committee) after project closure and can be used by VFDS/BMC (Sub-Committee) consensus. The amount deposition to be done within six months.
- 2.7. The Society agrees, after completion of the related works, to protect the forest area from fire, illicit grazing, illicit felling, and illicit transport. Illicit mining, encroachments and poaching and shall help the forest department in this regard.
- 2.8. The Society agrees to pass the information regarding person(s) engaged in banning the wild animals and forests or those engaged in illegal activities on to the Forest Department. The Society agrees to help forest employees in apprehending such person(s) and provide all possible assistance in protecting any seized produce etc.
- 2.9 The Society agrees to rectify any shortcomings found during review of its works by the Forest Officer/monitoring agency.

- 2.10 The Society agrees to keep accounts of income and expenditure of the funds from various sources and also to get regular annual audits done by the agency assigned by the Forest Officer.
- 2.11. The Society agrees to maintain the records specified by the project regularly and in prescribed formats.
- 2.12. The Society agrees that the distribution of products and services generated as a result of implementation of the Plan among its members/User Groups is done in an equitable manner. If the Forest Officer points out any mismanagement or irregularity in the equitable distribution of such products and services, then the

Society agrees to implement the necessary corrections/improvements suggested by the Forest Officer.

2.13. Society agrees to ensure that there will be no miss utilization of funds provided by Forest Department for implementing project activities.

2.14. Society will open two accounts of VFDS/BMC (Sub-Committee), One for FEMP implementation (FE Account) and second one as; revolving fund under Livelihood activities (CD&LI Account).

2.15 The funds and maintenance of account would be in accordance with Para-36 to 43 of the Bye-laws notified by Govt. on dated 19-11-2018 for VFDS under the Project.

3. Responsibilities of the Forest Department

3.1. The Forest Department will provide to the Society the related input materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in a timely manner.

3.2. The Forest Department will provide the payments specified in the Plan to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan in a timely manner. The Society to prepare and submit general house approved, six monthly physical & financial plans with budget requirements to DMU through FTU concerned for release of funds. DMU to release the fund to the VFDS/BMC (Sub-Committee)

3.3. Funds from other department's schemes as the Panchayat may be able to garner/converge, may also be used for activities that help meet the project's objectives.

3.4. The Forest Department shall provide the necessary advice and guidance to the Society for implementation of works carried out in the forest area on the basis of the Plan.

3.5 The Forest Department shall NOT be responsible for any loss in any of the works related to implementation of the Plan and no claim of any sort can be presented against Forest Department.

3.6 Forest Department will take legal action against any mis appropriation of fund by VFDS/BMC (Sub-Committee).

4. Support by the Project

4.1. The Project will provide funds for Community Development & Livelihood activities (CDAs) identified by the Society and in conformity with the CD&LIP guidelines, which will be implemented by the Society.

4.2. The Project will provide to the Society if required the related input/materials required to carry out the works specified in the Plan, such as saplings, fencing materials, etc. in the required qualities and quantities.

4.3. The Project will provide to the Society the payments specified in the Plan for implementation of works carried out in the PFM area on the basis of the Plan.

4.4. The Project will provide to the Society members training and other capacity building measures, as well as support for income generating activities as specified in the Plan.

4.5. The funds earmarked for Plantations, soil and water conservation, Biodiversity conservation etc., will be credited into the VFDS/BMC (Sub-Committee) bank account according to six-month plan requirement (prepared from Micro plan) of VFDS/BMC (Sub-Committee). In addition, VFDS/BMC (Sub-Committee) to open an account for Livelihoods activity.

4.6. Payment and receipt of project funds will be strictly by means of cheques online payment/RTGS etc. or bank transfers to the account of the Society. Society will further distribute fund similarly.

5. Rights and Benefit Sharing

5.1. The Rights of right holders as admitted in the Forest Settlement will remain unaffected due to constitution of the Society and will continue to be exercised as heretofore.

5.2. The Benefits which Society members and their user groups will be entitled to after closure of plots / patches in the forest for various project interventions are as follows:

i) to collect the yield such as fallen twigs, branches, lopping, grass, bamboos, fruits, flowers, seeds, leaf fodder and non-timber forests products free of cost through individual or collective arrangements as decided by the Society;

ii) to the sale proceeds of all intermediate harvest, subject to protection of forest and plantations for at least 3 years from the date of agreement;

iii) to organize and promote vocational activities related to forest produce and land; and other activities such as promotion of self-help groups which may provide direct benefits, including micro-lending to women. None of the activities so promoted shall affect the legal status of the forest land;

iv) recorded rights over the forest shall not be affected by these benefits;

v) after 5 years, the Society may expand the area, on the basis of a fresh agreement deed, by inclusion of adjoining or nearby areas;

vi) to utilize at least 40 percent of the sale proceeds on forest regeneration activities including soil and water conservation.

provided that for the purpose of usufruct, the usufruct sharing family shall be one unit.

5.3. The Society will be entitled to their share of payments from intermediate and final felling,

whenever they take place in this forest, as laid out in the PFM Regulations of HP, 2001,

6. Monitoring & Evaluation

6.1. Monitoring and Evaluation of project activities will be done at different levels, including by the EC, a participatory monitoring committee and an independent third party apart from Project authorities.

6.2. The EC of VFDS/BMC (Sub-Committee) or any of its members will monitor progress and quality of work during execution of various works. The Member Secretary will record the date, places and names of EC members who checked the work(s) and whether works were satisfactory and any instructions given.

- 6.3. A participatory monitoring committee made up of members of the Society, a member from the Panchayat as well as a representative from the Forest Department (e.g. Deputy RO) will on quarterly basis review objectives, inputs and work progress and report to the whole Society. Their reports will then be sent to the Forest Officer for further action.
- 6.4. Where Society groups have carried out or are responsible for activities like social fencing, fire prevention, plantations or maintenance of plantations, annual monitoring will be carried out by Project-approved monitors (Third Party) and the results of this monitoring linked to release of payments, a) for social fencing in lieu of barbed wire fencing, b) for fire prevention as specified in the Plan and c) for survival in forest plantations as given in the agreed to norms for that activity.
- 6.5. Settlement of Disputes: Settlement of disputes and conflict resolution will be governed as laid out under para 47, 48 and 49 of the Bye Laws notified by GoHP.

Memorandum of Understanding

We are aware that the benefits mentioned in this agreement shall be available to the Society only when it discharges its duties, responsibilities and works in a satisfactory manner and this is certified by the Forest Officer every year. However, if the Forest Officer fails to fulfill conditions mentioned in Para 3 and 4 of this agreement and this is a cause for the Committee not able to discharge its responsibilities and works, and then it will be kept in mind while evaluating the works of the Committee every year.

I Saran Kundak....., President,..... Gaibung..... Joint VFDS/BMC

(Sub-committee), declare on behalf of the Society, that I am committed to follow all the conditions mentioned in this MOU and am signing this memo after reading/understanding all conditions mentioned herein, literally and I understand their original meaning.

~~प्रधान जयसिंग~~
(Name and Signature of the President)
On behalf of MPDS/ BMC (Sub-committee)

6-1-14
Divisional Forest Officer
Kinnaur Forest Officer
On behalf of HPFD)

Witness: Village Forest Development Society /BMC(Sub-committee) and the Forest Department for Participatory Forest Management.

1. Usplau Suvaraj
2. Babu Seun
3. Chhoring Dabna.
4. Sushoda Devi

~~Usplau Suvaraj~~
~~Babu Seun~~
~~Chhoring Dabna~~
~~Sushoda Devi~~

1. Sonam Funchuk, (Position) undertake, on behalf of Kinnaur Division Forest Department to implement all duties responsibilities of the Forest Department mentioned in this memorandum.

~~Sonam Funchuk~~
R. F. O. POOH
Range Forest Officer
Pooh Range

(Name and Signature of the Divisional Forest Officer or other officer authorized by him) On behalf of Kinnaur Forest Department.

6-1-14
Kinnaur Forest Division
At R/Peo

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Swarani----- Self help group will undertake the Cutting & Tailoring-----
As livelihood generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh
Forest Ecosystems & management & livelihood (JICA Assisted). In this regard business plan
of amount (Rs.) 4,09,100-----has been submitted by this group on dated -----
----- and this business plan has been approved by Gaibung-----VFDS. Business
Plan with SHG resolutions being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thankyou

प्रधान ज्यका सोनम
ग्राम वन विकास समिति नाबुंग
नेो पहा, जिला किन्नौर (हि०प्र०)
Signature of VFDS Pradhan

सचिव ज्यका Ushpa Sharma
ग्राम वन विकास समिति नाबुंग
नेो पहा, जिला किन्नौर (हि०प्र०)
Signature of VFDS Secretary

Bridga
Signature of Forest Guard

Sharma
Signature of Block forest officer
Block Forest Officer

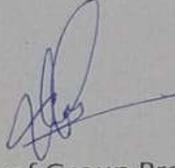
R. P. O. POOH
Signature of Range Forest officer

Approved
G.A.
DMU -cum-
Deputy conservator forests,
Kinnaur Division at R/Peo

Resolution –cum-group consensus form

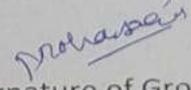
It is decided in the general house meeting of the Self Help Group Sawani..... Held on at Gaibung..... that our self help group will undertake the cutting & planting as livelihood income generation activity under the project for improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted.)



Signature of Group Pradhan

प्रधान
सावनी स्वयं सहायता समूह
झाबुंग, जिला किन्नौर (हि०प्र०)



Signature of Group Secretary

सचिव
सावनी स्वयं सहायता समूह
झाबुंग, जिला किन्नौर (हि०प्र०)